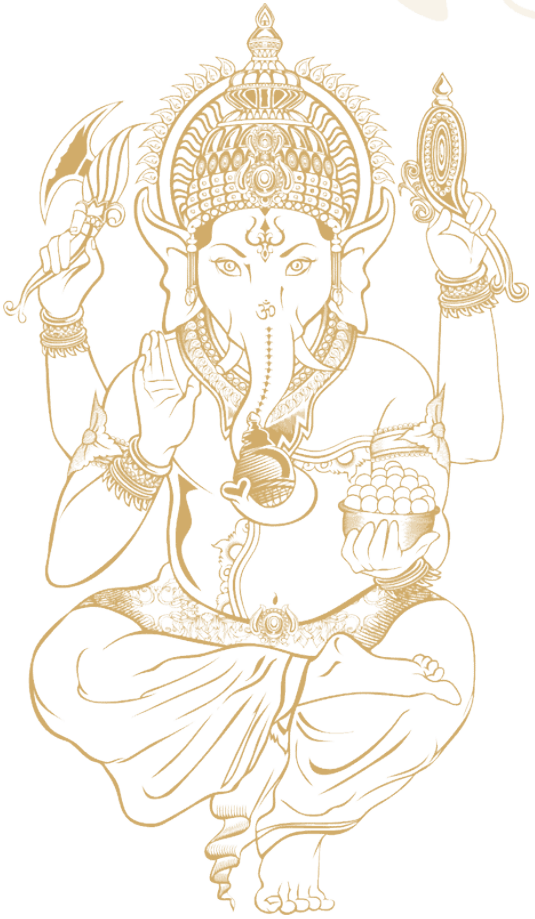

Heramb

04 Mar 2023

02:45 PM

Vishakhapatnam

Model: web-freekundliweb

Order No: 121826102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/03/2023**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:45:00 घंटे**
इष्ट	21:18:57 घटी
स्थान	**Vishakhapatnam**
राज्य	Andhra Pradesh
देश	India

अक्षांश	17:42:00 उत्तर
रेखांश	83:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:48:36 घंटे
वेलान्तर	-00:11:48 घंटे
साम्पातिक काल	01:36:07 घंटे
सूर्योदय	06:13:25 घंटे
सूर्यास्त	18:03:14 घंटे
दिनमान	11:49:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:20:46 कुम्भ
लग्न के अंश	04:32:46 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	04:32:46	322:33:50	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			कुंभ	19:20:46	01:00:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	14:43:00	11:52:57	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			वृष	26:18:19	00:24:47	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	08:16:42	01:43:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	18:27:13	00:13:36	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	स्वराशि
शुक्र			मीन	20:35:42	01:13:11	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	कुंभ	05:26:46	00:07:07	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	11:16:25	00:09:47	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	11:16:25	00:09:47	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष			मेष	21:27:37	00:02:00	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			मीन	00:30:00	00:02:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो			मक	05:24:14	00:01:31	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मेष	01:44:18	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:42

लग्न-चलित

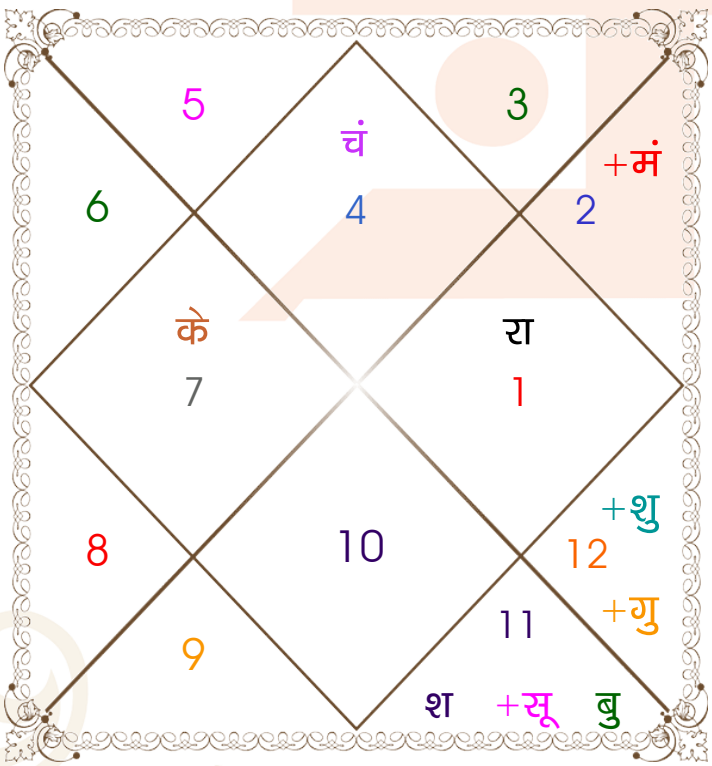

चन्द्र कुंडली

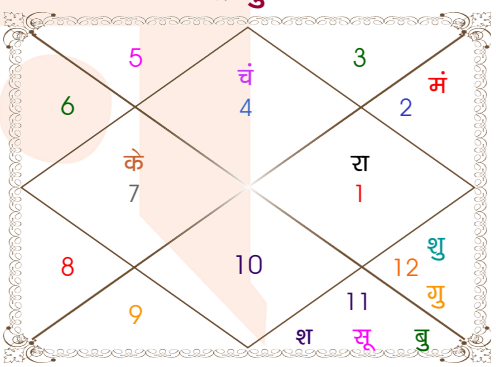

नवमांश कुंडली

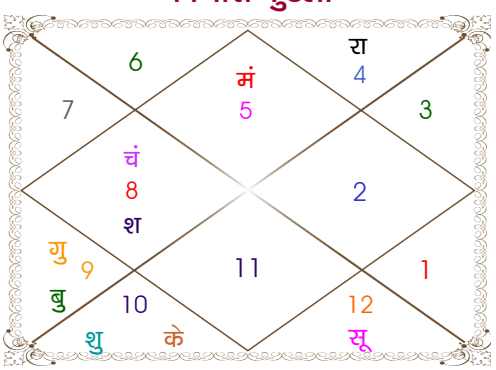

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 9 मास 10 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/03/2023		13/12/2025		13/12/2042		13/12/2049		13/12/2069	
13/12/2025		13/12/2042		13/12/2049		13/12/2069		13/12/2075	
	00/00/0000	बुध	11/05/2028	केतु	11/05/2043	शुक्र	13/04/2053	सूर्य	02/04/2070
	00/00/0000	केतु	08/05/2029	शुक्र	11/07/2044	सूर्य	14/04/2054	चंद्र	01/10/2070
	00/00/0000	शुक्र	08/03/2032	सूर्य	15/11/2044	चंद्र	13/12/2055	मंगल	06/02/2071
	00/00/0000	सूर्य	12/01/2033	चंद्र	16/06/2045	मंगल	12/02/2057	राहु	01/01/2072
	00/00/0000	चंद्र	14/06/2034	मंगल	13/11/2045	राहु	12/02/2060	गुरु	19/10/2072
	00/00/0000	मंगल	11/06/2035	राहु	01/12/2046	गुरु	13/10/2062	शनि	01/10/2073
	04/03/2023	राहु	28/12/2037	गुरु	07/11/2047	शनि	13/12/2065	बुध	07/08/2074
राहु	02/06/2023	गुरु	04/04/2040	शनि	16/12/2048	बुध	13/10/2068	केतु	13/12/2074
गुरु	13/12/2025	शनि	13/12/2042	बुध	13/12/2049	केतु	13/12/2069	शुक्र	13/12/2075

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/12/2075		13/12/2085		13/12/2092		14/12/2110		14/12/2126	
13/12/2085		13/12/2092		14/12/2110		14/12/2126		00/00/0000	
चंद्र	13/10/2076	मंगल	11/05/2086	राहु	26/08/2095	गुरु	31/01/2113	शनि	17/12/2129
मंगल	14/05/2077	राहु	30/05/2087	गुरु	19/01/2098	शनि	15/08/2115	बुध	26/08/2132
राहु	13/11/2078	गुरु	05/05/2088	शनि	25/11/2100	बुध	20/11/2117	केतु	05/10/2133
गुरु	14/03/2080	शनि	13/06/2089	बुध	15/06/2103	केतु	27/10/2118	शुक्र	05/12/2136
शनि	13/10/2081	बुध	11/06/2090	केतु	02/07/2104	शुक्र	27/06/2121	सूर्य	17/11/2137
बुध	15/03/2083	केतु	07/11/2090	शुक्र	03/07/2107	सूर्य	15/04/2122	चंद्र	18/06/2139
केतु	14/10/2083	शुक्र	07/01/2092	सूर्य	27/05/2108	चंद्र	15/08/2123	मंगल	27/07/2140
शुक्र	13/06/2085	सूर्य	14/05/2092	चंद्र	26/11/2109	मंगल	21/07/2124	राहु	05/03/2143
सूर्य	13/12/2085	चंद्र	13/12/2092	मंगल	14/12/2110	राहु	14/12/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।